आयो फागण को महीनो | By Manav Joshi

ऐ जी श्याम.....
आयो मेलो फागण को, बुला लो थारे धाम

आयो फागण को महीनो रे
म्हाने भी ले चालो म्हारे श्याम के दरबार
श्याम के दरबार हो म्हारा मोटा लखदातार
आयो फागण को महीनो रे
म्हाने भी ले चालो म्हारे श्याम के दरबार

ज्यूँ ज्यूँ फागण आवे बाबा थारी याद सतावे
दुनियादारी भूला मैं तो म्हारो मन ललचावे
म्हारो हिवड़ो भर भर आवे है, थारी याद सातवे है
म्हाने भी ले चालो म्हारे श्याम के दरबार
आयो फागण को महीनो रे
म्हाने भी ले चालो म्हारे श्याम के दरबार

बारह महीना चाव से थारा टाबर अर्ज़ लगावे
काम धाम की छोड़ के चिंता थाने घण मनावे
फागण में मिलबा आवा जी, थारी धोक लगाव जी
म्हाने भी ले चालो म्हारे श्याम के दरबार
आयो फागण को महीनो रे
म्हाने भी ले चालो म्हारे श्याम के दरबार

थे के म्हारे से हो रूस्यां म्हाने ज़रा बता दो
मैं तो थारा टाबरिया म्हाने भी मेलो दिखा दो
मानव थाने घणा रिझावे है, थारे अर्ज़ लगावे है
म्हाने भी ले चालो म्हारे श्याम के दरबार
आयो फागण को महीनो रे
म्हाने भी ले चालो म्हारे श्याम के दरबार

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%86%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%ab%e0%a4%be%e0%a4%97%e0%a4%a3-%e0%a4%95%e0%a5%8b-%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a5%80%e0%a4%a8%e0%a5%8b-by-manav-joshi/